एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2024 एवं जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओई 001 : शिक्षा का समाजशास्त्र
एमएसओई 002 : प्रवासी और पराराष्ट्रीय समुदाय
एमएसओई 003 : धर्म का समाजशास्त्र
एमएसओई 004 : नगरीय समाजशास्त्र
एमपीएस 003 : भारत : लोकतंत्र और विकास
एमपीए 016 : विकेंद्रीकरण एवं स्थानीय शासन

समाजशास्त्रसंकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-001, 002, 003, 004, एमपीएस-3, एमपीए-16/
सत्रीय कार्य/टीएमए/2024–25

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमने बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2024 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2025**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2025**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्यकरते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन :** पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति :** अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
एम.एस.ओ.ई.–001: शिक्षा का समाजशास्त्र

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.ई.–001
सत्रीय कोडः एम.एस.ओ.ई.–001 /सत्रीय कार्य/
टी.एम.ए. /2024–25
अधिभारित : 30%
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

भाग–I

1. भारत में शिक्षा के संदर्भ में प्रकार्यवादी एवं द्वंद्व सिद्धांतों की तुलना कीजिए। **20**

2. शिक्षा पर जॉन डेवी के विचारो को स्पष्ट कीजिए। **20**

3. जनता के सामाजिक नियंत्रण में शिक्षा की भूमिका की चर्चा कीजिए। **20**

4. 'डिस्कूलिंग सोसाइटी' में प्रस्तुत किये गये इल्लिच के शिक्षा के परिप्रेक्ष्य की चर्चा कीजिए। **20**

5. 'शिक्षा का लोकतंत्रीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक गतिशीलता के लिए अनिवार्य है।' चर्चा कीजिए। **20**

भाग–II

6. भारत में राष्ट्र निर्माण में शिक्षा क्या भूमिका निभाती है? चर्चा कीजिए। **20**

7. 'महिलाओ के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण औजार है।' चर्चा कीजिए। **20**

8. क्या व्यावसायिक शिक्षा में निजी क्षेत्र को सम्मिलित करना की आवश्यक है? चर्चा कीजिए। **20**

9. ज्ञान समाज से आप क्या समझते हैं? शिक्षा से इसके संबंध वर्णन कीजिए। **20**

10. भारत में शिक्षा के सार्वभौमिकरण के दृष्टि से वर्तमान परिदृश्य क्या है? चर्चा कीजिए। **20**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में वैकल्पिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–002 : प्रवासी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएस ओई–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2024–25

कुलअंक : 100
अधिभार : 30%

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग में कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग – क

1. यहूदी डायस्पोरा की प्रकृति का संक्षिप्त में परीक्षण कीजिए। 20

2. संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय डायस्पोरा के प्रवासन प्रारूपों का वर्णन कीजिए। 20

3. भारतीय उत्प्रवास के पांच पैटर्न क्या हैं? 20

4. औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय उत्प्रवास के ऐतिहासिक संदर्भ का वर्णन कीजिए। 20

सत्रीय कार्य II

5. भारतीय डायस्पोरा के प्रतिनिधित्व में साहित्य की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

6. भारतीय प्रवासियों के प्रति भारतीय राज्य नीति पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

7. आभासी समुदाय शब्द से आप क्या समझते हैं? 20

8. भारतीय डायस्पोरा के बीच सांस्कृतिक संबंधों का परीक्षण कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई-003 : धर्म का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 कार्यक्रम कोड : एमएसओ
अधिभारिता : 30% पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.ई-003
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.ई-003/सत्रीय कार्य/टीएमए/2024-2025

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग–I

1. धर्म की मार्क्सवादी अवधारणा को रेखांकित कीजिए। 20

2. धर्म के प्राथमिक स्वरुप के रूप में टोटमवाद की जांच कीजिए। 20

3. "ओक्का" क्या है? उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। 20

4. टी. एन. मदान के सन्यास हीनता के दृष्टिकोण को उपयुक्त उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 20

भाग–II

5. पीटर बर्जर्स के विशेष संदर्भ में धर्म के प्रघटनाशास्त्रकीव्याख्या कीजिए। 20

6. भारतीय अनुभव के विशेष संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों की विवेचना कीजिए। 20

7. धर्म की समझ के प्रति क्लिफोर्ड गीर्ट्ज़ के दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए। 20

8. टोटमवाद पर लेवी-स्ट्रॉस के दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–004 : नगरीय समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 **कार्यक्रम कोड : एमएसओ**
अधिभारिता : 30% **पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.ई–004**
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.ई–004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2024–2025

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

खण्ड-I

1. नगरीय समाजशास्त्र क्या है? इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की विवेचना कीजिए। 20

2. ई-डब्ल्यू बर्गेसके संकेंद्रित क्षेत्र के सिद्धांत के विशेष संदर्भ में एक नगर की विशिष्ट विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 20

3. पारिस्थितिक उद्यान सिद्धांत का वर्णन कीजिए तथा नगरीय समाजशास्त्र में इसके प्रमुख योगदानों की विवेचना कीजिए। 20

4. नगर कितने प्रकार के होते हैं? उनमें से एक का उदाहरण विस्तार पूर्वक दीजिए। 20

5. 'नवीन नगरीय समाजशास्त्र' से आप क्या समझते हैं? इसके अग्रदूत कौन थे। 20

खण्ड-II

6. क्या यह सच है कि एकल परिवार नगरीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं जबकि संयुक्त परिवार ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाते हैं? चर्चा कीजिए। 20

7. भारत में नगरीय वृद्धि के प्रतिमान को उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 20

8. भारतीय अर्थव्यवस्था में नगरीय औपचारिक एवं अनौपचारिक क्षेत्रकों की तुलना कीजिए। 20

9. नगरीय नियोजन से आप क्या समझते हैं? यह नगरों के विकास में कैसे मदद करता है? चर्चा कीजिए। 20

10. नगरों के विकास और शासन में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा कीजिए। 20

भारत : लोकतंत्र और विकास (एमपीएस–003)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

विशय कोड : एपीएस–003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/एमपीएस–003/2024-2025
पूर्णांकः 100

खण्ड – I

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम स कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. विकास की अवधारणा और लोकतंत्र के साथ इसके संबंध की व्याख्या कीजिए।

2. भारत में संघीय व्यवस्था की कार्यप्रणाली का विश्लेषण कीजिए।

3. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (एलपीजी) नीतियों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

4. भारत में किसान आंदोलनों के विकास पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
   (क) तेलंगाना किसान विद्रोह
   (ख) राजनीतिक भागीदारी

खण्ड – II

6. राजनीतिक भागीदारी की व्यवहारवादी अवधारणा को समझाइए।

7. भारत में क्षेत्रवाद की प्रकृति की व्याख्या कीजिए।

8. मानव विकास के लिए बुनियादी न्यूनतम आवश्यकता दृष्टिकोण का परीक्षण कीजिए।

9. अति–शहरीकरण के कारणों पर चर्चा कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
    (क) आंतरिक प्रवासन
    (ख) सतत विकास

एम.पी.ए.–016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-016
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2024–जनवरी– 2025
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंडI और IIहैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए।प्रत्येकखंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खंड–I

1) विकेन्द्रित विकास के प्रभाव की चर्चा कीजिए। 20

2) सशक्तिकरण सुनिश्चित करने की समस्याओं को उजागर करते हुए सशक्तिकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 20

3) विकेन्द्रीकरण के राजनीतिक–प्रशासनिक घटकों का वर्णन कीजिए तथा उन्हें सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपाय सुझाइए। 20

4) स्वास्थ्य क्षेत्र में स्थानीय प्राधिकरणों तथा विशिष्ट कार्य अभिकरणों के बीच भागीदारी की जाँचकीजिए। 20

5) विकास योजना की विभिन्न आवश्यकताएं क्या हैं? 20

खंड–II

6) भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण के विकास और महत्व की चर्चा कीजिए। 20

7) संस्थागत क्षमता–निर्माण की व्याख्या कीजिए तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता–निर्माण के तरीके सुझाइए। 20

8)'74वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम 1992, के पश्चात्, नगरपालिकायें आधारभूत स्तर पर स्थानीय स्वशासन की प्रभावशाली संस्थाओं के रूप में कार्य कर रही हैं।' टिप्पणी कीजिए। 20

9) स्थानीय सरकार की संरचना, शक्तियों और कार्यों की जाँच कीजिए। 20

10) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 20
   क) जन भागीदारी के तौर–तरीके.
   ख) सतत् विकास और शासन.